नमो भारत रैपिड रेल

दिल्ली से मेरठ सिर्फ 55 मिनट में

पहले जहां दिल्ली से मेरठ जाने में डेढ़ से दो घंटे तक का समय लगता था। अगर जाम लग जाए तो यह सफर कई घंटों का भी हो जाता था। लेकिन अब दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ रैपिड रेल गलियारा बनने के बाद दिल्ली से मेरठ तक का सफर 55 मिनट में तय होगा।

82.15 किमी कुल लंबाई है दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ रैपिड रेल गलियारा

14.12 किमी भूतल हिस्सा होगा। दो स्टेशन भूतल होंगे पूरे सफर के दौरान

24 स्टेशन कुल होंगे दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ रैपिड रेल गलियारे में

30274 करोड़ रुपए लागत आई परियोजना में

सात साल का सफर

8 मार्च 2019 को दिल्ली गाजियाबाद मेरठ नमो भारत गलियारे की आधारशिला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रखी।

20 अक्तूबर 2023 को पहले चरण में साहिबाबाद से दोहरी डिपो के बीच 17 किलोमीटर लंबी क्षेत्र पर नमो भारत का संचालन शुरू हुआ।

5 जनवरी 2025 को दिल्ली में साहिबाबाद से न्यू अशोक नगर के बीच 13 किलोमीटर के खंड का उद्घाटन।

22 फरवरी 2026 को न्यू अशोक नगर से सराय काले खां (5 किमी) और मेरठ साउथ से मोदिपुरम (21 किमी) खंड के उद्घाटन के साथ पूरा गलियारा बनकर तैयार।

रैपिड सेवा इन स्टेशनों पर

दिल्ली में सराय काले खां, न्यू अशोक नगर, आनंद विहार से होते हुए उत्तर प्रदेश के साहिबाबाद, गाजियाबाद, गुलधर, दुहाई, दुहाई डिपो, मुरादनगर, मोदीनगर साउथ, मोदीनगर नार्थ, मेरठ साउथ, शताब्दी नगर, बेगमपुल और मोदीपुरम स्टेशनों पर उपलब्ध होगी।

मेट्रो सेवा इन स्टेशनों पर

मेरठ साउथ, परतापुर, रिठानी, शताब्दी नगर, ब्रह्मपुरी, मेरठ सेंट्रल, भैसाली, बेगमपुल, एमईएस कालोनी, डौरली, मेरठ नार्थ और मोदीपुरम स्टेशनों पर उपलब्ध रहेंगी।

पहला स्टेशन	सराय काले खां
अंतिम स्टेशन	मोदीपुरम

दिल्ली में नमो भारत गलियारा कुल 14 किलोमीटर है जबकि उत्तर प्रदेश में नमो भारत का कुल 68 किलोमीटर का गलियारा है।

नमो भारत गलियारे की एलिवेटेड लंबाई कुल 70 किलोमीटर है, जिसमें से 9.5 किलोमीटर दिल्ली में 60.57 किलोमीटर यूपी में है।

प्रदूषण पर वार

एनसीआरटीसी का दावा है की मेरठ और दिल्ली एनसीआर में नमो भारत कारिडोर के क्रियान्वन से सार्वजनिक परिवहन की हिस्सेदारी 37% से बढ़कर 63% होने की उम्मीद है जो कि प्रदूषण को रोकने में काफी सहायक सिद्ध होगा। सार्वजनिक परिवहन की हिस्सेदारी बढ़ाने से निजी वाहनों पर निर्भरता कम होगी और सड़कों पर भीड़ कम होगी।

इनको ज्यादा फायदा

इस गलियारे से गाजियाबाद, मेरठ और बागपत जैसे शहरों को सीधा फायदा मिलेगा। लोगों को रोजाना सफर में कम समय लगेगा। व्यापार और रोजगार के नए मौके भी बढ़ेंगे।